

प्रेस सूचना ब्यूरो

भारत सरकार

श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई में चमड़ा क्षेत्र में कौशल विकास के लिए स्केल ऐप का शुभारंभ किया

श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने शिल्पकारों की क्षमता के निर्माण और उन्हें डिजिटल क्षेत्र में अवसरों से जोड़ने का आह्वान किया

नई दिल्ली

20 सितंबर, 2022

शिक्षा और कौशल विकास मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने आज सीएसआईआर-केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के दौरे के दौरान स्केल (स्किल सर्टिफिकेशन असेसमेंट फॉर लेदर एम्प्लॉइज) ऐप का शुभारंभ किया, जो चमड़ा उद्योग की कौशलीकरण, प्रशिक्षण, आकलन और रोजगार की जरूरतों के लिए एक ही स्थान पर समाधान प्रदान करता है। चमड़ा कौशल क्षेत्र परिषद ने चमड़ा उद्योग में प्रशिक्षुओं के कौशल विकास कार्यक्रमों की पद्धति को बदलने के लिए एंड्रॉइड ऐप स्केल विकसित किया और चमड़ा उद्योग में प्रशिक्षुओं को प्रदान किया। चमड़ा एसएससी द्वारा तैयार स्केल स्टूडियो ऐप अपने कार्यालय में अत्याधुनिक स्टूडियो से चमड़े के शिल्प में रुचि रखने वाले सभी आयु-वर्ग के लोगों को ऑनलाइन लाइव प्रसारण विधि से कक्षाओं तक पहुंचने की अनुमति देता है।



इस अवसर पर अपने उदगार प्रकट करते हुए श्री प्रधान ने कहा कि चमड़ा क्षेत्र देश में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने में प्रमुख भूमिका निभाता है, जिसमें वर्तमान में 44 लाख से अधिक कर्मी कार्यरत हैं। उन्होंने शिक्षा और कौशल विकास के सही मिश्रण के साथ इस क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सीएसआईआर-सीएलआरआई की भूमिका की सराहना की।

श्री प्रधान ने डिजिटल प्रौद्योगिकियों और पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों के आगमन के कारण इस क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों के बारे में भी बताया और कहा कि इसके लिए कौशलीकरण, पुनःकौशलीकरण और कौशल उन्नयन और अभियान क्षमता निर्माण पर नए सिरे से प्रोत्साहन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एनएसडीसी और सीएसआईआर-सीएलआरआई इस क्षेत्र की कौशल संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए मिलकर काम करेंगे और सुझाव दिया कि इस क्षेत्र में काम करने वाले व्यवसायियों की क्षमता बढ़ाने के लिए सीएसआईआर-सीएलआरआई में राष्ट्रीय स्तर का क्षमता-निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, एनएसडीसी, सीएलआरआई और चमड़ा क्षेत्र कौशल परिषद, चेन्नई सहित पूरे भारत में सामान्य सुविधा और कौशल केंद्र स्थापित करने के लिए सहयोग करेंगे।



श्री प्रधान ने इस क्षेत्र के युवा पेशेवरों से नौकरी देने वाले बनने के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार, उद्यमशीलता का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें ई-कॉमर्स सहित डिजिटल क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से जोड़ने के लिए शिल्पकारों की सहायता करनी चाहिए।

इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए, श्री मुरुगन ने कहा कि तमिलनाडु में बहुत से प्रतिभाशाली मानव संसाधन हैं और सीएलआरआई उन्हें कुशल बनाने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। सीएलआरआई युवाओं में उद्यमशीलता को भी बढ़ावा दे रहा है और अनेक स्टार्टअप कंपनियों की स्थापना में सहायता कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जारी अमृत काल के दौरान 100 वें वर्ष की ओर अग्रसर भारतीय स्वतंत्रता के लिए यह हमारे राष्ट्रीय लक्ष्यों को साकार करने में सक्षम होगा ।

MJPS/AK